पूरक पत्रक · स्लाइडों के साथ पढ़ने के लिए

मतपेटी वाला दिन: पंच + सरपंच

सावधान: यह राज्य निर्वाचन आयोग का दस्तावेज़ नहीं है; न आयोग ने इसे बनाया या जारी किया है, न यह सरकारी तौर पर तैयार हुआ है। यह सिर्फ़ पूरक प्रशिक्षण सामग्री है। अंतिम और मान्य स्रोत आयोग के मूल आदेश और नियम ही हैं; इसमें उनसे कुछ अलग दिखे, तो आदेश और नियम ही मानिए।

यह डेक कैसे पढ़ें

- हर बात के आगे मार्गदर्शिका, पुस्तिका या आयोग के आदेश का पन्ना लिखा है। जहाँ स्रोतों में किसी बात पर अलग-अलग बात छपी है, वहाँ यहाँ एक ही नियम लिखा है; स्रोतों में क्या फ़र्क है, यह प्रशिक्षकों के लिए साइट के 'स्रोतों में फ़र्क' पेज पर है।
- डेक की PDF में संदर्भ पर क्लिक करें, तो वह आदेश या पुस्तक उसी पेज पर खुलती है। जिस आदेश की प्रति ऑनलाइन नहीं रखी है, उसका लिंक नहीं है।
- अंतिम बात आयोग के आदेशों और नियमों की है। कोई संशय हो, तो अपने रिटर्निंग अधिकारी से पूछिए।

स्लाइड के साथ पूरक बातें

स्लाइड 1: मतपेटी वाला दिन: पंच + सरपंच

- हर बात के आगे मार्गदर्शिका या आयोग के आदेश का पन्ना लिखा है। जहाँ स्रोतों में किसी बात पर अलग-अलग बात छपी है, वहाँ यहाँ एक ही नियम लिखा है; स्रोतों में क्या फ़र्क है, यह प्रशिक्षकों के लिए साइट के 'स्रोतों में फ़र्क' पेज पर है।

स्लाइड 2: चार पद, दो मतदान दिवस

- ध्यान रखिए कि हर चरण में मतदान के दो दिन हैं, और दोनों दिन वोट का तरीका अलग है। [आदेश 9836, दि. 03.10.2026, पृ. 3; आदेश 9836, दि. 03.10.2026, पृ. 9; आदेश 10090, दि. 06.10.2026, पृ. 1]

स्लाइड 4: बालोतरा में तारीखें

- वर्तनी: आदेश की स्कैन छपाई में "धोरीमन्ना" नाम "धोरीमन्त्रा" जैसा दिखता है; आयोग के संकलन के टाइप किए हुए पाठ में यही नाम "धोरीमन्ना" लिखा है। [आदेश 5101, दि. 26.12.2025, संकलन पृ. 15]

स्लाइड 14: मतदान अधिकारी: मतदान से पहले

- मतपेटी तैयार करने के क़दम आगे "मतपेटी तैयार कीजिए" वाली स्लाइड में हैं।

स्लाइड 19: पहचान के दस्तावेज़

- दोनों मार्गदर्शिकाओं के परिशिष्ट में आयोग का आदेश 603 (19.01.2026) छपा है। [ईवीएम मार्गदर्शिका, पृ. 204; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 120]

- आयोग के 30.07.2026 के आदेश 5310 ने उसकी जगह ले ली है, इसलिए यह सूची आदेश 5310 से है। [आदेश 5310, दि. 30.07.2026, पृ. 1]

स्लाइड 21: पहले सहायक: सूची में निशान, अंगुली, पर्ची

- यह जानकारी Form of Statistics (परिशिष्ट-25) और मतदान अधिकारी की डायरी (परिशिष्ट 23-B) में जाती है। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 10]
- मतपेटी वाले दिन किस अंगुली पर स्याही लगेगी, यह आगे "मतपेटी वाले दिन: स्याही किस अंगुली पर" वाली स्लाइड में है।

स्लाइड 24: चौथे सहायक: मतपत्र लीजिए, स्याही लगाइए

- पास में: गीली रेत में रखी अमिट स्याही की शीशी, एरोक्रॉस मार्क वाली तीन मोहरें, बैंगनी स्टाम्प पैड, सफ़ेद काग़ज़ का एक ताव, सील की हुई मतपेटी। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 11]
- स्याही कहाँ से कहाँ तक लगे, यह साझा हिस्से की स्याही वाली स्लाइडों में है। मतपेटी वाले दिन किस अंगुली पर, यह आगे "मतपेटी वाले दिन: स्याही किस अंगुली पर" वाली स्लाइड में है।

स्लाइड 27: नामांकन वाले दिन: मतपत्र पर नाम लिखिए

- मतपत्र और नोटा के स्टीकर ज़िले से मिलने वाली चुनाव सामग्री के साथ आएँगे: काला बॉलपेन, काला कार्बन, फेविस्टिक, कैंची या ब्लेड, स्टील का स्केल, स्टेपलर, यू-पिन, नीचे रखने के लिए हार्डबोर्ड, और बाक़ी ज़रूरी सामान। [आदेश 9809, दि. 02.10.2026, पृ. 3]
- अतिरिक्त पर्चियाँ नामांकन पूरे होने के बाद, योग्य उम्मीदवारों की गिनती देखकर, ज़िला निर्वाचन अधिकारी तुरंत रिटर्निंग अधिकारी को देंगे। [आदेश 9809, दि. 02.10.2026, पृ. 3]

स्लाइड 28: बूथ का सामान, और हर मतपत्र पर दो काम

- दल में मतदान अधिकारी एक ही होते हैं, इसलिए दोनों मतपत्रों की पीठ पर हस्ताक्षर वही करेंगे: आगे "मतपत्र की पीठ पर हस्ताक्षर कौन करेगा" वाली स्लाइड देखिए। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 7; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 9]

स्लाइड 38: पहचान पर आपत्ति हो, तो

- उम्र बहुत कम लगे, तो क्या करना है, यह "कम उम्र का लगे" वाली स्लाइड में है।

स्लाइड 41: लिफ़ाफ़े बनाइए: पंच के चार, सरपंच के चार

- लेखे और लिफ़ाफ़े कौन तैयार करेगा: आगे "लेखे और कुछ लिफ़ाफ़े कौन भरेगा" वाली स्लाइड देखिए।

स्लाइड 51: खारिज मतपत्र: रिटर्निंग अधिकारी का फ़ैसला

- शक वाले मतपत्रों की अलग गड्डी: आगे "शक वाले मतपत्र: अलग गड्डी ज़रूरी नहीं" वाली स्लाइड देखिए। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 38; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 140]

स्लाइड 55: अभ्यास: वैध या अवैध?

- तीन नमूनों के नीचे की बात किसी दूसरे नमूने जैसी ही है (वैध 8 और वैध 3, अवैध 3 और अवैध 2, अवैध 8 और अवैध 6)। अवैध 3 और अवैध 8 अभ्यास में अपने जोड़ीदार के साथ एक ही हालत में हैं। वैध 8 का चित्र वैध 3 से अलग है, उसमें एक ही निशान है, इसलिए वह अलग हालत है। इस तरह अभ्यास में 17 हालतें हैं। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 140–149]
- हर हालत का जवाब स्लाइड के नोट्स में है: पहले सामने बैठे लोगों से पूछिए, फिर जवाब बताइए।

स्लाइड 57: अभ्यास 1: वैध या अवैध?

- 1: वैध, पहले उम्मीदवार के लिए। गणना दल ख़ुद ही इसे पहले उम्मीदवार के पक्ष में वैध मान लेगा (वैध उदाहरण 6)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 142]
- 2: अवैध। मतपत्र के सामने वाले हिस्से पर कोई वोट नहीं लगा है, और नियम 50 में यह नामंज़ूर होने की एक वजह है। गणना दल इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और जाँच में रिटर्निंग अधिकारी इसे नामंज़ूर करेंगे (अवैध उदाहरण 1)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 144; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 71]
- 3: वैध, पहले उम्मीदवार के लिए। गणना दल ख़ुद ही इसे वैध मान लेगा (वैध उदाहरण 5)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 142]
- 3: नामंज़ूर तब होता है, जब एक से ज़्यादा उम्मीदवारों के लिए निशान हों। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 71]

स्लाइड 58: अभ्यास 2: वैध या अवैध?

- 4: अवैध। गणना दल इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और जाँच में रिटर्निंग अधिकारी इसे नामंज़ूर करेंगे (अवैध उदाहरण 5)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 146]
- 4: एक से ज़्यादा उम्मीदवारों के लिए निशान, नियम 50 में नामंज़ूर होने की एक वजह है। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 71]
- 5: वैध, पहले उम्मीदवार के लिए। गणना दल पहले इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और रिटर्निंग अधिकारी की जाँच में यह वैध माना जाएगा, क्योंकि असली निशान, जो घड़ी की उल्टी दिशा में होता है, पहले उम्मीदवार के खाने में है (वैध उदाहरण 2)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 140]
- 6: अवैध। यहाँ एक से ज़्यादा वोट दिए गए हैं: एक उम्मीदवार के लिए और दूसरा नोटा के लिए। गणना दल इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और जाँच में रिटर्निंग अधिकारी इसे नामंज़ूर करेंगे (अवैध उदाहरण 10)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 148]

स्लाइड 59: अभ्यास 3: वैध या अवैध?

- 7: वैध, दूसरे उम्मीदवार के लिए। गणना दल ख़ुद ही इसे वैध मान लेगा (वैध उदाहरण 3)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 141]
- 8: अवैध। गणना दल इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और जाँच में रिटर्निंग अधिकारी इसे नामंज़ूर करेंगे (अवैध उदाहरण 4)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 145]

- 8 (चित्र): प्रशिक्षण सामग्री के पृष्ठ 90 पर इस चित्र के ऊपर एक और नमूना लगा है, जिसमें उसी ख़ाली जगह में पेन से लकीरें हैं। यहाँ नीचे वाला नमूना दिखाया है, जिसमें मोहर का निशान साफ़ दिखता है।
- 9: अवैध। वोट मतपत्र के पीछे लगा हो, तो नियम 50 में यह नामंज़ूर होने की एक वजह है। गणना दल इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और जाँच में रिटर्निंग अधिकारी इसे नामंज़ूर करेंगे (अवैध उदाहरण 11)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 149; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 71]
- 9 (चित्र): प्रशिक्षण सामग्री में यह चित्र 'अवैध मतपत्र - उदाहरण - 10' नाम से है; मार्गदर्शिका में यही हालत अवैध उदाहरण 11 है।

स्लाइड 60: अभ्यास 4: वैध या अवैध?

- 10: वैध, पहले उम्मीदवार के लिए। गणना दल पहले इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और रिटर्निंग अधिकारी की जाँच में यह वैध माना जाएगा, क्योंकि मोहर का निशान पहले उम्मीदवार के खाने में है और बाक़ी जगह सिर्फ़ स्याही का धब्बा है (वैध उदाहरण 1)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 140]
- 11: अवैध। नाम या हस्ताक्षर से मतदाता की पहचान हो जाती है, और नियम 50 में यह नामंज़ूर होने की एक वजह है। गणना दल इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और जाँच में रिटर्निंग अधिकारी इसे नामंज़ूर करेंगे (अवैध उदाहरण 6 और 8)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 146; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 147; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 71]
- 12: वैध, पहले उम्मीदवार के लिए। गणना दल ख़ुद ही इसे पहले उम्मीदवार के पक्ष में वैध मान लेगा (वैध उदाहरण 7)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 143]
- 12 (चित्र): प्रशिक्षण सामग्री के पृष्ठ 88 पर इसी हालत का एक और चित्र है, जिसमें निशान नहीं दिखता। यहाँ वह चित्र है, जिसमें हल्का निशान दिखता है।

स्लाइड 61: अभ्यास 5: वैध या अवैध?

- 13: अवैध। वोट दी गई मोहर के बजाय किसी और चीज़ से लगा हो, तो नियम 50 में यह नामंज़ूर होने की एक वजह है। गणना दल इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और जाँच में रिटर्निंग अधिकारी इसे नामंज़ूर करेंगे (अवैध उदाहरण 2 और 3)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 144; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 145; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 71]
- 13 (चित्र): चित्र अवैध उदाहरण 2 का है, जिसमें मोहर की जगह ✓ का निशान बनाया गया है। अवैध उदाहरण 3 के स्कैन में कोई निशान दिखाई नहीं देता, इसलिए उसका चित्र यहाँ नहीं लगाया।
- 14: वैध, तीसरे उम्मीदवार के लिए। गणना दल ख़ुद ही इसे वैध मान लेगा (वैध उदाहरण 4)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 141]
- 15: अवैध। क्रम संख्या से मतदाता की पहचान हो जाती है। गणना दल इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और जाँच में रिटर्निंग अधिकारी इसे नामंज़ूर करेंगे (अवैध उदाहरण 7)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 147; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 71]

स्लाइड 62: अभ्यास 6: वैध या अवैध?

- 16: वैध, दूसरे उम्मीदवार के लिए। मार्गदर्शिका में इस नमूने के ऊपर लिखा है "अभ्यर्थी-2 के लिए मान्य", और गणना दल ख़ुद ही इसे वैध मान लेगा (वैध उदाहरण 8)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 143]
- 16 (चित्र): ध्यान दीजिए: इस नमूने के नीचे मार्गदर्शिका में भी और SLMT की सामग्री में भी वही बात छपी है, जो वैध उदाहरण 3 के नीचे है (साफ़ निशान, और एक और निशान का ज़्यादातर हिस्सा छायांकित हिस्से में)। पर चित्र में एक ही निशान दिखता है। इससे जवाब नहीं बदलता, क्योंकि निशान दूसरे उम्मीदवार के खाने में है।
- 17: अवैध। वोट किसे दिया गया, यह तय न हो पाए, तो नियम 50 में यह नामंज़ूर होने की एक वजह है। गणना दल इसे संदेहपूर्ण मतपत्रों के बंडल में रखेगा, और जाँच में रिटर्निंग अधिकारी इसे नामंज़ूर करेंगे (अवैध उदाहरण 9)। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 148; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 71]
- ऊपर की गिनती और पैकेट वाली बातें पंच और सरपंच के मतपत्रों की हैं। गिनती के दिन रिटर्निंग अधिकारी जो निर्देश दें, उन्हीं के हिसाब से काम कीजिए। [आदेश 1323, दि. 03.02.2026, संकलन पृ. 396]

स्लाइड 63: सौंपिए, और गिनती में साथ रहिए

- P-33 सील नहीं होगा। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 23; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 24]

स्लाइड 64: जाँच-सूची: सामान लेते समय

- सामान लोहे की पेटी में या थैले में आएगा। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 15]

स्लाइड 66: जाँच-सूची: मतदान बंद होने पर

- डायरी में क्या लिखना है, यह मार्गदर्शिका ज़िला परिषद और पंचायत समिति वाली डायरी (परिशिष्ट-23-A) के लिए गिनाती है: तय समय पर डाले गए वोटों की संख्या, और मतदान ख़त्म होने पर मतपत्र, पेपर सील, मतदाताओं की संख्या (लिंग के हिसाब से, और किस दस्तावेज़ से पहचान हुई), निविदत्त मतपत्र, दृष्टिबाधित या अशक्त मतदाता, मतदान अभिकर्ता और बाक़ी सूचनाएँ। फिर लिखती है कि इसी तरह पंच-सरपंच के लिए परिशिष्ट-23-B की अलग डायरी होगी। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 21]
- लेखे और लिफ़ाफ़े कौन तैयार करेगा: आगे "लेखे और कुछ लिफ़ाफ़े कौन भरेगा" वाली स्लाइड देखिए।

स्लाइड 69: लेखे और कुछ लिफ़ाफ़े कौन भरेगा

- P-33 में: पेपर सील का लेखा, बची और खराब पेपर सीलें, बचे फ़ॉर्म। [मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 23; मतपेटी मार्गदर्शिका, पृ. 24]

स्लाइड 73: स्रोत

- अंतिम बात आयोग के आदेशों और नियमों की है। कोई संशय हो, तो अपने रिटर्निंग अधिकारी से पूछिए।